

ହି ଫାଟ୍



ମୁଦ୍ରଣ

ନନ୍ଦନୀ

ମେଲାନ୍ୟ ପିତେରେନ

ଆଧେଇଦ ମାରୀ ବ୍ୱିରେ

ଆଧେଇଦ ମାରୀ ବ୍ୱିରେ



କ୍ଷେତ୍ର



<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>

Attribution 3.0 International License.

This work is licensed under a Creative Commons



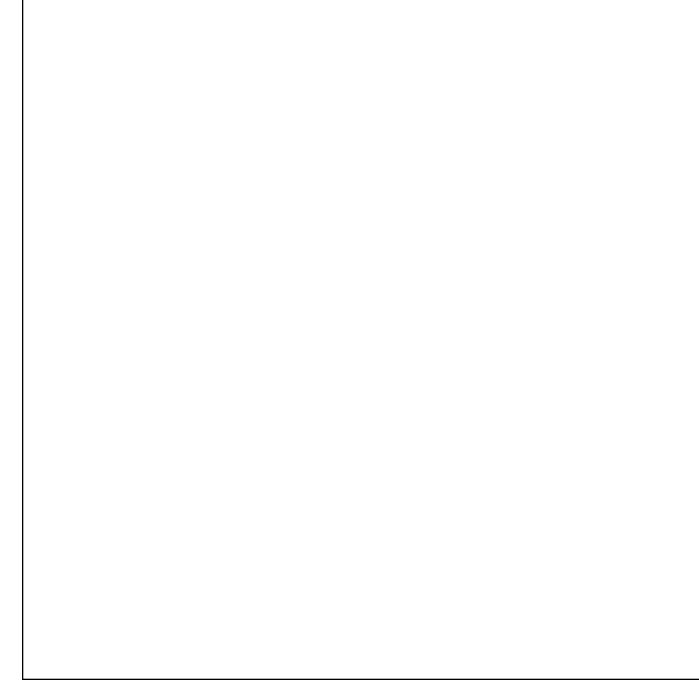
ନନ୍ଦନୀ
ମେଲାନ୍ୟ ପିତେରେନ
ଆଧେଇଦ ମାରୀ ବ୍ୱିରେ

କ୍ଷେତ୍ର

globalstorybooks.net

Global Storybooks

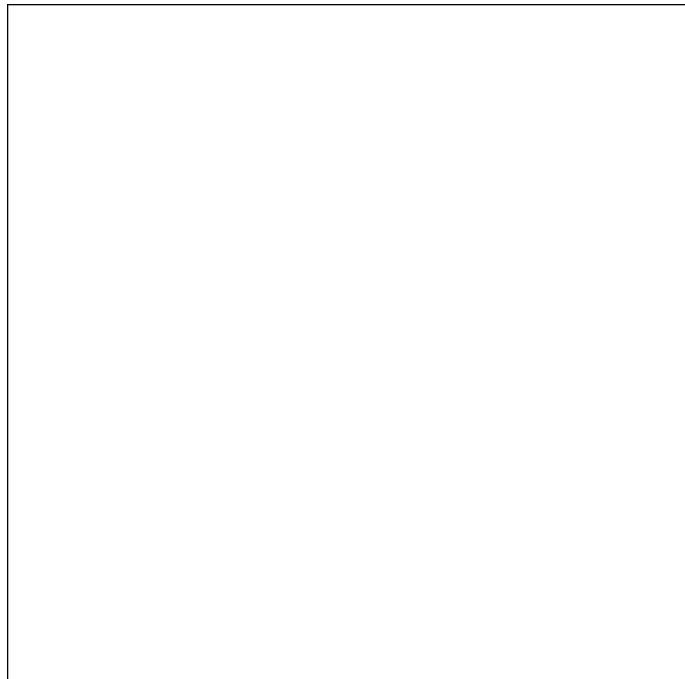


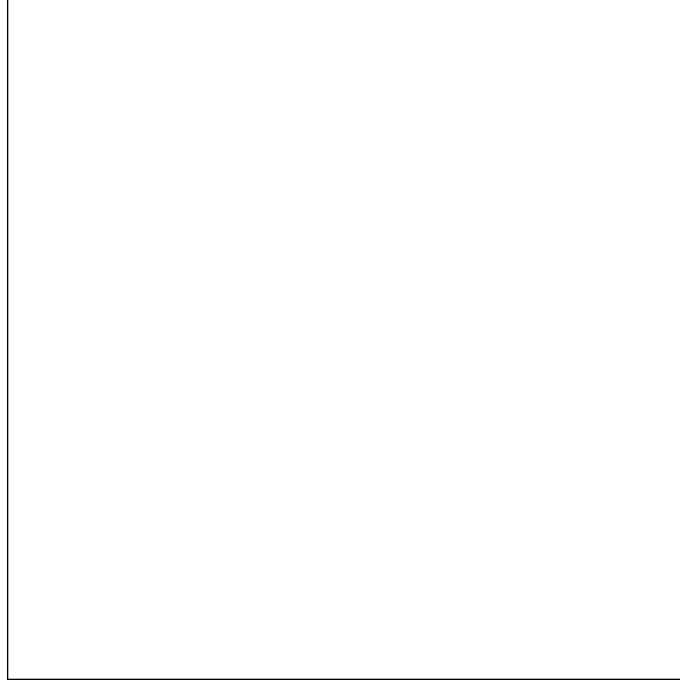
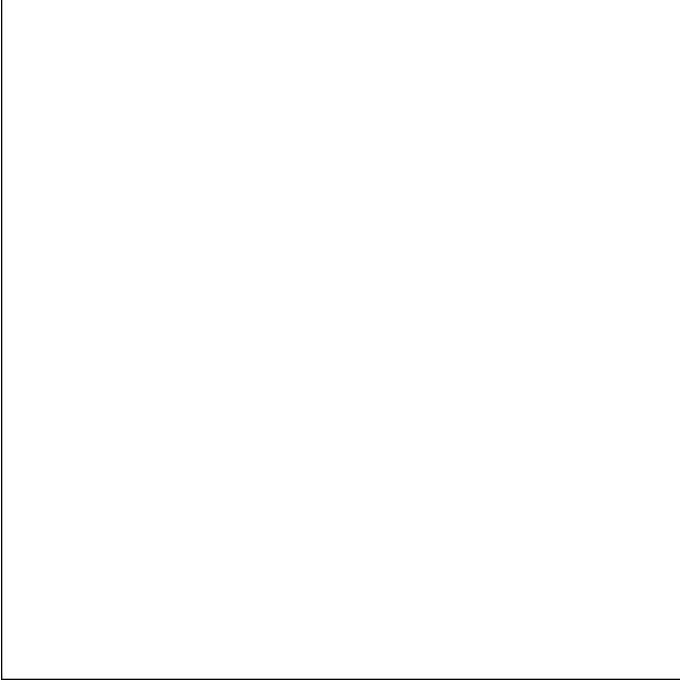


एक दिन, माँ को बहुत सारे फल मिले।

I „ԵՐԵՎԱՆ

Է ՄԱՆ ԵԼԱՇ ՄԿ ԽՈ, „ ԼՎԿ Ե ԼԻ „ ՀՔ
ԸԿԱԽ Ը ՄԿ ՅՎՔ ԽՈ ԱԽԵ, „ ԼՎԾ Ե ԽԵՎ





मेरा भाई रहीम लालची है। उसने सारे फल चखे। उसमें से बहुत सारे खा लिए।

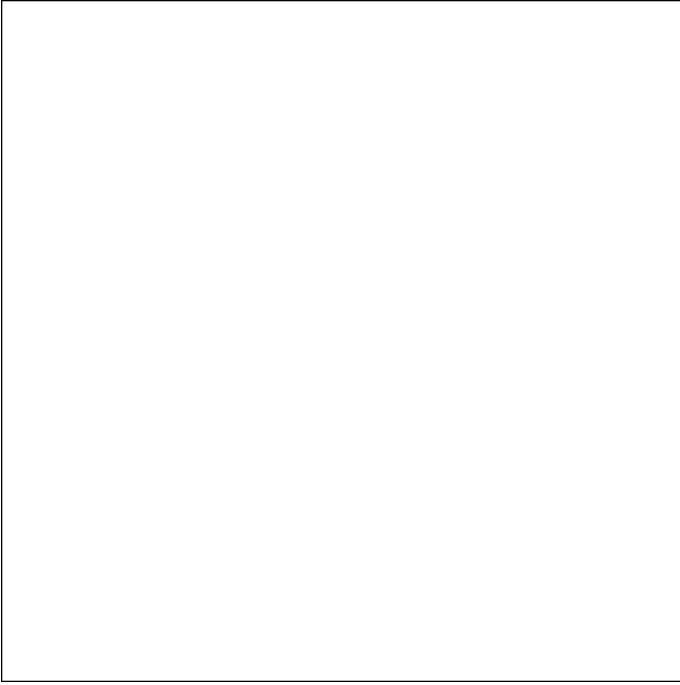
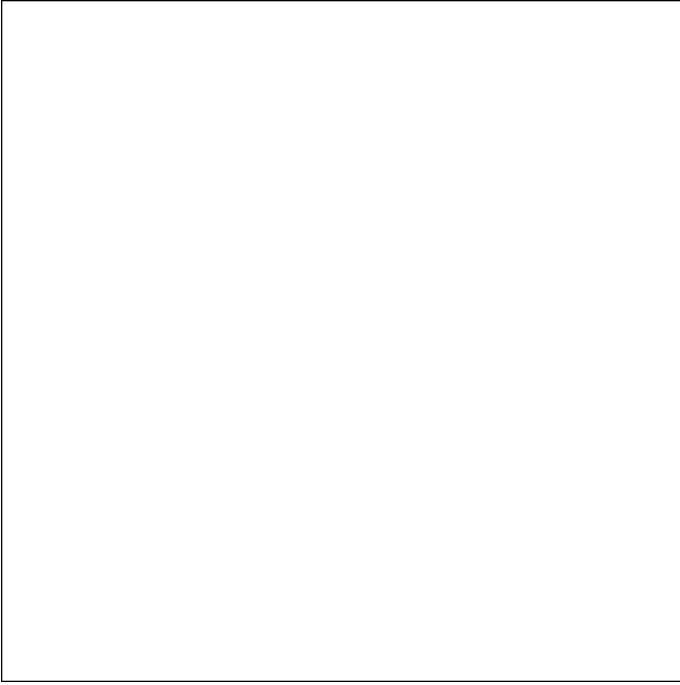
बाद में, रहीम ने हम से माफ़ी माँगी। “मैं कभी भी इतना लालच नहीं करूँगा,” उसने वचन दिया। और हम सबने उस पर भरोसा कर लिया।

በኩረት
በዚህ የሚገልጻ ማረጋገጫ እና በዚህ የሚከተሉ ማረጋገጫ

፤የዚህ ደንብ „በኩረት

የሚገልጻ ማረጋገጫ እና በዚህ የሚከተሉ ማረጋገጫ”



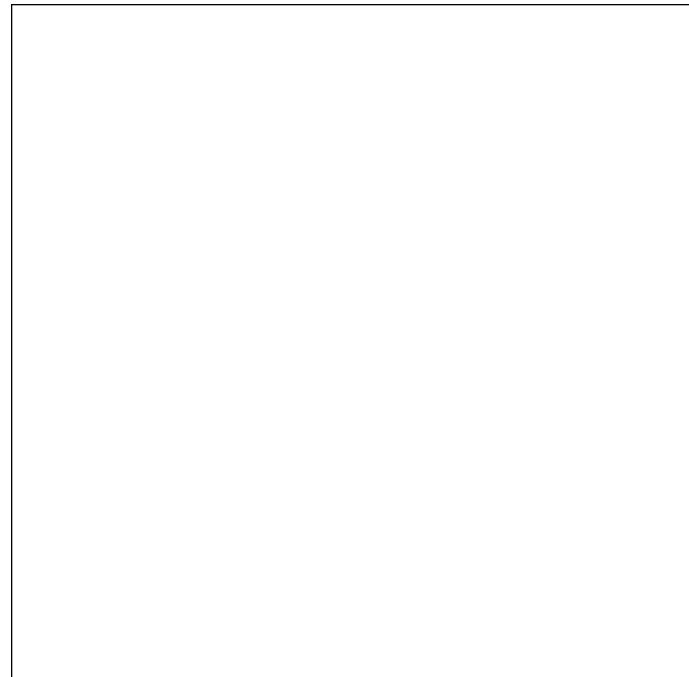
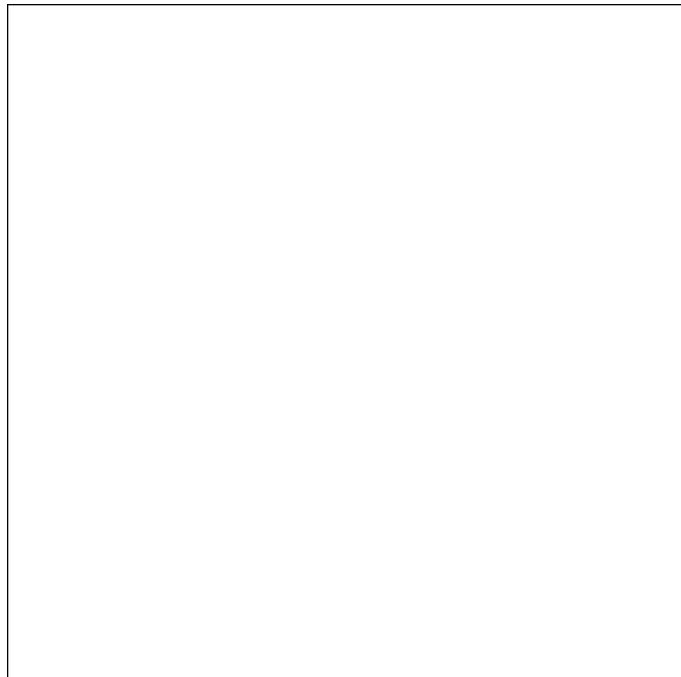


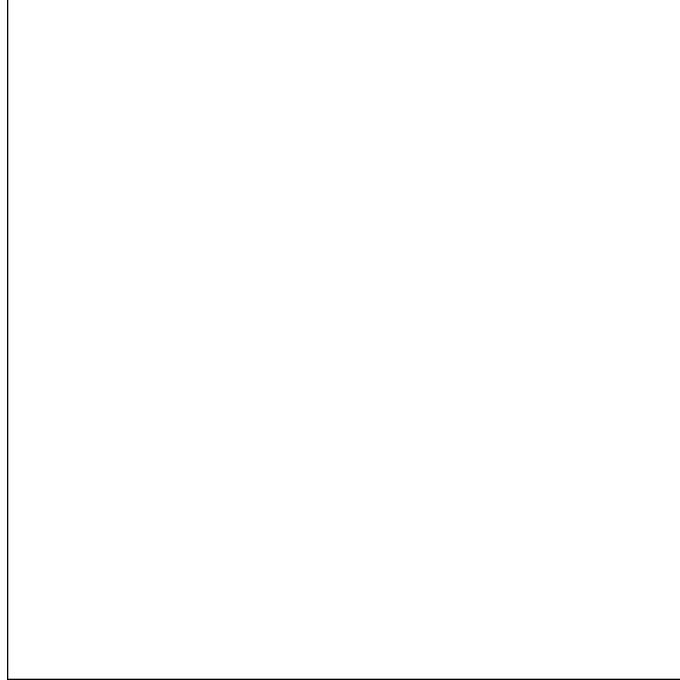
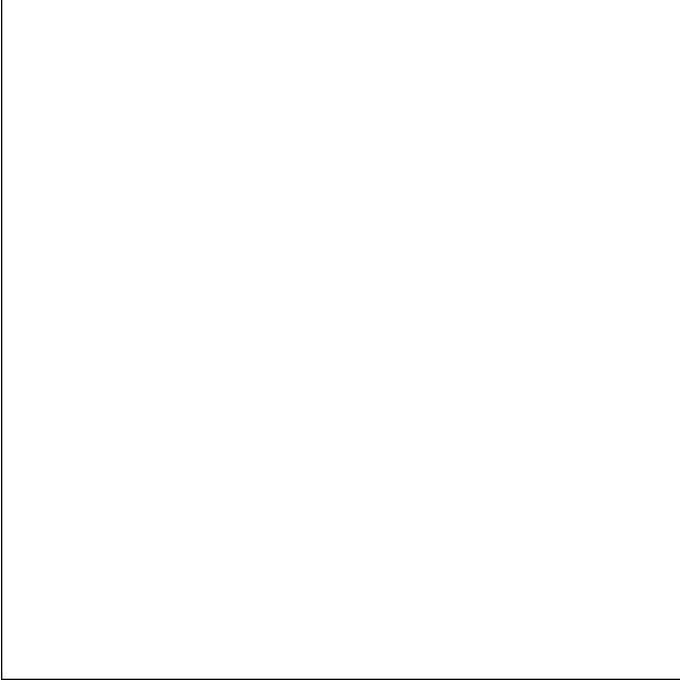
माँ रहीम पर नाराज़ हुई।

“मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा है”, रहीम ने
धीरे से कहा।

। ੴ ଶ୍ରୀ ମହାନ୍ତିର ଶ୍ରୀ
ଶ୍ରୀ କୃଷ୍ଣ ଏହି ଶ୍ରୀ କର୍ମଚାରୀ ଦେଖି ପାଇଲା

। ଶ୍ରୀ କୃଷ୍ଣ ମହାନ୍ତିର ଶ୍ରୀ





“आप रहीम को दंड नहीं देंगी?” छोटे भाई
ने पूछा।

“रहीम, तुमको जल्द ही अफ़सोस होगा”,
माँ ने चेतावनी दी।